Block II समाजशास्त्र

आन्तरिक एवं अन्तर पीढ़ी संघर्ष –

संघर्ष एक प्रकार का सामाजिक परिवर्तन है। समाज में सहयोग की भाँति संघर्ष भी स्वाभाविक है।

आन्तरिक-पीढ़ी संघर्ष का अर्थ –

आन्तरिक-पीढ़ी संघर्ष एक सार्वभौमिक एवं स्वाभाविक घटना है, यह किसी न किसी रूप में प्रत्येक समाज में पाया जाता है। इसे सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक तनाव के एक प्रमुख आधार के रूप में देखा जाता है।

अनेक समाजशास्त्रियों ने पारिवारिक जीवन एवं घरेलू हिंसा के सन्दर्भ में आन्तरिक पीढ़ी संघर्ष की व्याख्या की

परिभाषा –

ए डब्ल्यू ग्रीन — "संघर्ष जानबूझकर किया गया प्रयत्न

है जो किसी दूसरे या दूसरे की इच्छा का विरोध करने या दबाने या बलपूर्वक रोकने के लिए किया जाता है।"

आर० एम० मैकाईवर एवं सी० एच० पेज —

"सामाजिक संघर्ष में वे सभी क्रियाएँ सम्मिलित हैं जिनमें मनुष्य किसी भी उद्देश्य के लिए एक-दूसरे के विरुद्ध विवाद करते हैं।"

उपरोक्त परिभाषा से स्पष्ट होता है कि संघर्ष एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके अन्तर्गत दो विरुद्ध व्यक्तियों या समूहों में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु होता है।

आन्तरिक-पीढ़ी संघर्ष के कारण—

आन्तरिक पीढ़ी संघर्ष समाज एवं सामाजिक परिस्थितियों की उपज है इसके मुलभूत निम्न कारण है।

परिवर्तन की प्रक्रियाओं का असमान प्रभाव— भारतीय समाज में परिवर्तन लाने में जिन

जिन प्रक्रियाओं का विशेष योगदान है उनमें नगरीकरण औद्योगिकरण संस्कृति करण पश्चिमी करण आदि प्रमुख है। इन प्रक्रियाओं का एक पीढ़ी के लोगों पर प्रभाव नहीं पड़ता।

लक्ष्य एवं साधन में असंतुलन — प्रत्येक समाज में अपने लक्ष्य होते हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के समाज स्वीकृत साधन होते हैं। एक ही पीढ़ी के कुछ लोग लक्ष्य एवं साधन के प्रति ईमानदारी देखी जाती है। जबकि कुछ लोगों में लक्ष्य को येन-केन प्रकारेण प्राप्त करने की प्रवृत्ति पायी जाती है।

दोष पूर्ण समाजीकरण — समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसके माध्यम से व्यक्ति सामाजिक व्यवहार के प्रतिमानों को स्वीकारता है जब यह समीकरण दोषपूर्ण होता है पीढ़ी के व्यक्तियों में संघर्ष की समस्या उत्पन्न होती है।

व्यक्तित्व भिन्नता — किसी भी समाज के व्यक्तियों के व्यक्तित्व समान नहीं होता है।

यह किसी भी पीढ़ी के व्यक्तियों के बीच हो सकता है। कुछ हीन स्वभाव के हो सकते हैं तो कुछ के इच्छाओं की सीमा नहीं तथा कुछ विकृत व्यवहार के आदि होते हैं। ऐसे व्यक्तित्व के लोग विशेष संघर्ष को उत्पन्न करते हैं।

तनाव — आन्तरिक पीढ़ी संघर्ष के एक प्रधान कारण तनाव है यह तनाव कई तरह के हो सकते हैं- आर्थिक तनाव, सामाजिक तनाव, राजनीतिक तनाव, सांस्कृतिक तनाव आदि। जब एक ही पीढ़ी के कुछ व्यक्ति आर्थिक शोषण, असहनीय निर्धनता व बेरोजगारी के शिकार होते हैं। या फिर सामाजिक अन्याय असंतोष व असमानता से ~~पीड़ित~~ पीड़ित होते हैं,

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आन्तरिक पीढ़ी संघर्ष किसी एक कारण का परिणाम नहीं है। वह अनेक कारणों का परिणाम है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया